

## राम बिनु तन को ताप न जाई

राम बिनु तन को ताप न जाई  
राम बिनु तन को ताप न जाई

जल में अगन रही अधिकाई।  
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

तुम जलनिधि में जलकर मीना।  
जल में रहहि जलहि बिनु जीना॥

राम बिनु तन को ताप न जाई॥  
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

तुम पिंजरा में सुवना तोरा।  
दरसन देहु भाग बड़ मोरा॥

राम बिनु तन को ताप न जाई॥  
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

तुम सद्गुरु में प्रीतम चेला।  
कहै कबीर राम रमूं अकेला॥

राम बिनु तन को ताप न जाई॥  
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

राम बिनु तन को ताप न जाई  
राम बिनु तन को ताप न जाई

जल में अगन रही अधिकाई।  
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/2242/title/ram-binu-tan-ko-taap-na-jayee-jal-me-angan-rahi-adkai-ram-bin-tan-ko-taap-na-jai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |